

ISSN : 2583-8636



# कृषीपर्व

मासिक

वर्ष ४ • अंक ११ • मे २०२४ • एकूण पाने ३२ (२७ + ७) • मुल्य १००/-





# कृषीपर्व

मे २०२४

- संपादक  
डॉ. राजीव साठे
- कार्यकारी संपादक  
डॉ. धनश्री निगडे
- मांडणी, अक्षरजुळवणी, मुखपृष्ठ  
सजावट  
कृषीपर्व क्रिएशन्स
- कायदेशीर सल्लागार  
अॅड. अयास शेख
- तांत्रिक सल्लागार  
कैलास पल्हाड
- पत्रव्यवहाराचा पत्ता:  
कृषीपर्व,  
१९९, मु. - शरणापूर, पो. - पडेगाव, ता.  
जि. - औरंगाबाद, महाराष्ट्र. पिन कोड-  
४३१ ००१.

संपर्क: +९१ ९४२३७२१८९४ /  
९१७२२४६२४४ / ९९७७२९७८००

ई-मेल:

[info@krushiparvmagazine.com](mailto:info@krushiparvmagazine.com)  
[krushiparvmagazine@gmail.com](mailto:krushiparvmagazine@gmail.com)

संकेतस्थळ:

[www.krushiparvmagazine.com](http://www.krushiparvmagazine.com)

- टीप: या अंकात प्रकाशित झालेल्या लेखांमधील मते, विचार, उपाय, सल्ले इ. हि त्या त्या लेखकांची स्वतंत्र मते आहेत. तसेच यशोगाथा ह्या शेतकऱ्यांचे स्वतःचे अनुभव व प्रयोग आहेत. त्याच्याशी संपादक व प्रकाशक सहमत असतीलच असे नाही. अंकात लेखकांनी केलेल्या शिफारसी किंवा मात्रा तपासून व त्यावर तज्ञांचा सल्ला घेऊनच अनुकरण कराव्यात.

## अनुक्रमणिका

- |    |  |    |
|----|--|----|
| १  | करटोली लागवड तंत्रज्ञान  | १  |
|    | श्री. अशोक भोईर, श्री. अनिलकुमार सिंग आणि डॉ. विलास जाधव       |    |
| २  | उन्हाळ्यात जनावरांची घ्यावयाची काळजी                           | ४  |
|    | प्रा. के. एल. जगताप, डॉ. हनुमान गरुड आणि डॉ. दिप्ती पाटगावकर   |    |
| ३  | फळे भाजीपाल्यांची काढणी, वर्गवारी व पॅकिंग                     | ७  |
|    | प्रा. बद्रीनाथ खरात, श्री. अक्षय ढेंगळे आणि प्रा. संजय शेंरे   |    |
| ४  | ड्रॅगनफ्रूट रोग प्रतिबंधात्मक व्यवस्थापन                       | ६  |
|    | कौस्तुभ देशमुख   |    |
| ५  | भेंडी पिकावरील महत्वाची कीड व व्यवस्थापन                       | ८  |
|    | डॉ. अर्चना बोरकर आणि संदीप राठोड                               |    |
| ६  | पेरीव भात पूर्व विदर्भातील भात शेतीस एक पर्याय                 | १० |
|    | श्री. लोपचंद डोंगरवार आणि डॉ. वैशाली बोरकर                     |    |
| ७  | पीक सुधारणेसाठी नाविन्यपूर्ण जैवतंत्रज्ञान पद्धती व दृष्टीकोन  | १२ |
|    | बालकृष्ण घोडके, मोनिका आंधळे आणि शुभम काकड                     |    |
| ८  | अमरवेल परजीवी तणाची ओळख व व्यवस्थापन                           | १४ |
|    | एस. ए. काकड, डॉ. एस. बी. ब्राम्हणकर आणि डॉ. एस. टि. इंगळे      |    |
| ९  | अशी करा उन्हाळ्यात फळबागांची काळजी                             | १७ |
|    | शाश्वत महल्ले, आदित्य इंगोले आणि नम्रता खैरकार                 |    |
| १० | उन्हाळी भुईमुगातील एकात्मिक किड व रोग व्यवस्थापन               | १६ |
|    | श्री. सुमेध मनवर, श्री. अक्षय ढेंगळे आणि श्री. पंकज खाडे       |    |
| ११ | माशांच्या पोषणामध्ये लिपिडची महत्वपूर्ण भूमिका                 | १८ |
|    | प्रथमेश आडे आणि प्रतीक्षा निंबार्ते                            |    |
| १२ | विदेशी माशांचा भारतातील मूळ माशांवर होणारा परिणाम              | २० |
|    | रिकेश वंजारी आणि आशिष उरकुडे                                   |    |
| १३ | मत्स्य व्यवसायात माहिती आणि संप्रेषण तंत्रज्ञान                | २२ |
|    | आधारित साधनांची अलीकडील प्रगती<br>आशिष उरकुडे आणि रिकेश वंजारी |    |